

Въ альбомѣ.

(изъ Байрона.)

Какъ пунникъ межъ гробовъ невольно взоръ
склоняешъ.

На хладный камень гробовой,

И имя вдругъ знакомое чишаешъ;

Такъ шочно, милая! какъ разлучусь съ по-
бой,

Лѣшь нѣсколько минешъ, меня шы не вспо-
мянешъ

И ежели погда на сей листочикъ взглянешъ,

Счишай, что умеръ я давно;

Но вѣрь, что сердце здѣсь мое погребено.—

Орелъ.

Г. Лузановъ.

~~~~~

## Акростихъ.

Могу ли написашь: люблю, въ швоемъ аль-  
бомѣ?

Ахъ, нѣшь! Зачемъ писаешь? — Ты знаешь по  
сама!

Шупя, ошь глазъ швоихъ, лишаюся ума—

А мѣша, говоряшь, немного въ желшомъ  
домѣ.

Э.

~~~~~

БЛАГОНАМЪРЕННЫЙ.

Ж У Р Н А Л Ъ

ИЗДАВАЕМЫЙ

А. Измайловъ мѣ.

On fait ce qu' on peut,
Et non pas ce qu' on veut.

~~~~~  
*ЧАСТЬ ДВАДЦАТЬ ТРЕТІЯ.*  
~~~~~



САНКТ ПЕТЕРБУРГЪ.

ВЪ МОРСКОЙ ТИПОГРАФИИ.

1823 ГОДА.

| | |
|----------------------------|------|
| Медвѣдь и Лисица | — |
| Зайцы и Лягушки | 564. |
| Сова и Свѣшлякъ | 406. |

Сказки.

| | |
|-------------------------------|------|
| Пресупникъ ; . . . | 156. |
| Болѣный и Лѣкаръ | 158. |
| Земледѣлецъ и Кладъ | 140. |
| Хромой | 166. |
| Мальчикъ и Прохожій | 278. |
| Мальчикъ и Пшеница | 353. |
| Два Извозчика | 407. |

Слѣсь.

| | |
|--|-----------|
| Ангеликъ, на вопросъ: <i>терпѣливъ ли я?</i> | 144. |
| Роза | 263. |
| Двѣнадцатилѣтнему Людору | 265. |
| На день рожденія <i>А. Е. И.</i> | 274. |
| Новой Элоизѣ | 362. |
| <i>Въ Альбомы</i> 223, 288, | 361. |
| <i>Надписи</i> | 279, 360. |
| <i>Эпитафii</i> | 279, 419. |
| <i>Эпиграммы</i> 209, | 362. 418. |
| <i>Акростихи</i> | 361, 418. |
| <i>Логогрифы</i> | 151, 419. |
| <i>Шарады</i> | 421. |
| <i>Загадка</i> | 422. |
| <i>Анаграмма</i> | — |